पाठ 4: सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (उत्साह, अट नहीं रही है)

पाठ का सार (Summary):

उत्साह: यह एक आह्वान गीत (बुलाने वाला गीत) है, जो बादलों को संबोधित है। कवि बादलों से 'गरजने' के लिए कहता है न कि रिमझिम बरसने के लिए, क्योंकि गरजना क्रांति, चेतना और ओज का प्रतीक है। बादल गर्मी से तपते लोगों को शीतलता प्रदान करते हैं और साथ ही समाज में नव-निर्माण और क्रांति का बिगुल बजाते हैं।

अट नहीं रही है: इस कविता में वसंत (फागुन) ऋतु की मादकता और अपार सुंदरता का वर्णन है। प्रकृति इतनी सुंदर हो गई है कि उसकी शोभा आँखों और मन में समा (अट) नहीं पा रही है। चारों ओर फूलों की सुगंध और रंग-बिरंगे पत्ते फैले हुए हैं।

प्रश्न-अभ्यास: 'उत्साह' (NCERT Solutions)

प्रश्न 1. **कवि बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए कहता है, क्यों?**

> कवि 'निराला' एक विद्रोही और क्रांति के कवि हैं। उनके अनुसार, समाज में परिवर्तन या नव-निर्माण के लिए केवल शांति या कोमलता (फुहार/रिमझिम) से काम नहीं चलता, बल्कि जोश, ऊर्जा और क्रांति की आवश्यकता होती है। बादलों का गरजना पौरुष (ताकत), जोश, क्रांति और चेतना का प्रतीक है। इसीलिए कवि बादलों से फुहार छोड़ने या रिमझिम बरसने के बजाय ज़ोर-ज़ोर से 'गरजने' का आह्वान करता है, ताकि सोए हुए लोगों में नया उत्साह भर सके।

प्रश्न 2. **कविता का शीर्षक 'उत्साह' क्यों रखा गया है?**

> कविता का शीर्षक 'उत्साह' इसलिए रखा गया है क्योंकि यह एक आह्वान गीत है जो लोगों में नव-जीवन, नई उमंग और क्रांति की चेतना जगाने के लिए लिखा गया है। कवि बादलों के गर्जन के माध्यम से उदास, निराश और शोषित वर्ग के मन में नया जोश और 'उत्साह' भरना चाहता है। बादलों की गर्जना और बारिश उनके लिए नई प्रेरणा का स्रोत बन सके, यही इस कविता का मूल भाव है।

प्रश्न 3. **कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है?**

इस कविता में बादल निम्नलिखित अर्थों की ओर संकेत करता है:

1. **जल देने वाले रूप में:** बादल तपी हुई, प्यासी धरती और बेचैन लोगों को बारिश से शीतलता और नया जीवन प्रदान करने का संकेत देता है।

2. **क्रांति के प्रतीक रूप में:** बादल समाज में फैली बुराइयों और शोषक वर्ग के खिलाफ क्रांति, विरोध और नया उत्साह पैदा करने का संकेत देता है।

3. **रचनात्मकता के रूप में:** नव-निर्माण करने वाले कवियों के लिए बादल नई कल्पना, नई कविता और ऊर्जा का प्रतीक है।

प्रश्न 4. **शब्दों का ऐसा प्रयोग जिससे कविता के किसी खास भाव या दृश्य में ध्वन्यात्मक प्रभाव पैदा हो, नाद-सौंदर्य कहलाता है। उत्साह कविता में ऐसे कौन से शब्द हैं जिनमें नाद-सौंदर्य मौजूद है, छाँटकर लिखें।**

'उत्साह' कविता में नाद-सौंदर्य (Sound-effect) उत्पन्न करने वाले प्रमुख शब्द निम्नलिखित हैं:

- "घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!"
- "गरजो"
- "ललित ललित, काले घुँघराले"
- "विद्युत छबि उर में"

इन शब्दों को पढ़ने से बादलों की गड़गड़ाहट और गर्जन का साक्षात् अहसास (आवाज़ का प्रभाव) होता है।

प्रश्न-अभ्यास: 'अट नहीं रही है' (NCERT Solutions)

Schorbit

प्रश्न 1. छायावाद की एक खास विशेषता है अंतर्मन के भावों का बाहर की दुनिया से सामंजस्य बिठाना। कविता की किन पंक्तियों को पढ़कर यह धारणा पुष्ट होती है?

मनुष्य के भीतर के भावों (प्रसन्नता/उल्लास) का बाहरी प्रकृति के साथ जुड़ना ही छायावाद की विशेषता है। कविता की निम्नलिखित पंक्तियों से यह धारणा पुष्ट होती है:

"आभा फागुन की तन
सट नहीं रही है।"

तथा

"उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो।"

इन पंक्तियों का अर्थ है कि जब मन में उल्लास होता है, तो प्रकृति भी वैसी ही खिली-खिली और उत्साहवर्धक लगती है। फागुन का सौंदर्य मन के सौंदर्य से मिल गया है।

प्रश्न 2. कवि की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

फागुन (वसंत) के महीने में प्रकृति अपनी सुंदरता के चरम पर होती है। पेड़ों पर नए रंग-बिरंगे पत्ते आ गए हैं, चारो ओर रंग-बिरंगे और खुशबूदार फूल खिले हुए हैं। हवा में एक अनोखी मादकता और सुगंध फैली हुई है। प्राकृतिक सौंदर्य इतना मनमोहक और आकर्षक है कि वह कवि के मन को पूरी तरह मोह लेता है। इसी असीम सुंदरता के कारण कवि चाहकर भी अपनी आँखें उस दृश्य से नहीं हटा पाता।

प्रश्न 3. प्रस्तुत कविता में कवि ने प्रकृति की व्यापकता का वर्णन किन रूपों में किया है?

कवि ने प्रकृति की व्यापकता (विशालता) का वर्णन निम्नलिखित रूपों में किया है:

1. फागुन की सुंदरता इतनी व्यापक है कि वह कहीं भी समा (अट) नहीं पा रही है।
2. प्रकृति की साँस से हर घर सुगंध से भर जाता है।
3. पेड़ों की डालियाँ हरे और लाल रंग के नए पत्तों से लद गई हैं।
4. प्रकृति के गले में मंद-मंद सुगंध वाली फूलों की मालाएँ पड़ी हुई प्रतीत होती हैं।
5. पक्षी उत्साह में आसमान में पंख फैलाकर उड़ने को आतुर हैं।

प्रश्न 4. **फागुन में ऐसा क्या होता है जो बाकी ऋतुओं से भिन्न होता है?**

फागुन के महीने में न तो बहुत अधिक सर्दी होती है और न ही बहुत गर्मी। यह वसंत ऋतु का समय होता है। पेड़ों पर पुरानी पत्तियाँ झड़कर नए हरे-लाल कोमल पत्ते आ जाते हैं। चारो ओर विविध रंगों के सुंदर फूल खिल जाते हैं, जिनकी सुगंध से पूरा वातावरण महक उठता है। हवा में एक ताजगी और मादकता होती है। मौसम बहुत सुहावना हो जाता है और पक्षियों से लेकर मनुष्य तक सभी जीव-जंतु उल्लास और खुशी से भर उठते हैं। यह नवजीवन का संचार बाकी ऋतुओं में नहीं होता।

प्रश्न 5. **इन कविताओं के आधार पर निराला के काव्य-शिल्प की विशेषताएँ लिखिए।**

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के काव्य-शिल्प (रचना-कौशल) की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

1. **प्रकृति का मानवीकरण:** उन्होंने बादलों और फागुन मास को मानव के रूप में चित्रित किया है (जैसे फागुन साँस लेता है)।

2. **नाद-सौंदर्य और लयबद्धता:** उनके शब्दों के चयन में एक संगीत और ध्वनि प्रभाव (Sound effect) है। जैसे 'घेर घेर घोर गगन', 'रिमझिम'।

3. **तत्सम प्रधान खड़ी बोली:** कविताओं में संस्कृत के शब्दों से युक्त शुद्ध हिंदी का बहुत ही सुंदर प्रयोग हुआ है।

4. **संक्षिप्तता और प्रतीकात्मकता:** कम शब्दों में बहुत गहरे अर्थ (क्रांति और प्रेम) को व्यक्त किया गया है।

Schorbit